

Q.P. Code – 56564

M.A. (Previous) Degree Examination, DECEMBER 2017

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 540) PRAYOJANMOOLAK HINDI AUR ANUVAD

प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद

Time : 3 Hours

/Max. Marks : 80

$3 \times 16 = 48$

1. (a) प्रयोजन मूलक हिन्दी के महत्व को रेखांकित कीजिए।
(अथवा)
(b) संविधानिक हिन्दी के स्वरूप की चर्चा कीजिए।
2. (a) सरकारी और अर्ध सरकारी पत्र को सोदाहरण समझाइए।
(अथवा)
(b) टिप्पणी की परिभाषा देते हुए नमूनों के साथ उसके प्रमुख गुणों को रेखांकित कीजिए।
3. (a) सिद्ध कीजिए कि अनुवाद कला है? या विज्ञान?
(अथवा)
(b) अनुवाद की समस्याओं का आकलन कीजिए।
4. (a) हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (अंग्रेजी अथवा कन्नड से)

8

The country we live in is known as Bharatvarsh, Hindustan or Hind. The most ancient name of our land is Bharatvarsh. Our country gets this name because of its ancient ruler named Bharat. It is said that he was the first to rule over this land. The names Hindustan and Hind were given by foreigners.

Many people came into our country. But, after they settled here, they became its citizens. Many of these came into India from the North-west after crossing the river "Sindhu". To them the river Sindhu was the boundary of this country. In the countries north-west of India Sindhu is known as Hind. Hence after the name of Sindhu, this country came to be called Hind first and Hindustan later. The people of this country came to be known as 'Hindis' or 'Hindus'.

Q.P. Code – 56564

ಅಭಿಂ ನಗರದ ಹೃದಯ ಭಾಗದಲ್ಲಿರುವ ಅಮೃತ ಲೀಗೇಷನ್ ದೇವಾಲಯವು ಪ್ರಾಚೀನ ವಾಸ್ತುಕೀಲ್ಪ ವೈಭವವನ್ನು ನೆನಪಿಸುವ ಸ್ಥಾರಕವಾಗಿದೆ. ಕಲ್ಯಾಣ ಬಾಲಕ್ಕರ ಕಾಲದ ವಾಸ್ತು ಲಕ್ಷಣಗಳನ್ನು ಹೊರಿದಿರುವ ಶೈವ ದೇವಾಲಯವಾಗಿದೆ. ಗಭ್ರಗೃಹ ನವರಂಗ ಮುಖ ಮಂಟಪ ಇರುವ ಈ ದೇವಾಲಯ ಈಗ ಶಿಧಿಲಗೋಂಡಿದೆ. ಈ ದೇವಾಲಯದ ಉತ್ತರ ದಿಕ್ಕಿಗೆ ವೀರಭದ್ರ ದೇವಾಲಯವಿದೆಯು ಈ ದೇವಾಲಯ ತುಂಬಾ ಚಿಕ್ಕದಾಗಿದ್ದು. ಕತ್ತಲೆಯಂದ ಕೂಡಿದೆ.

ಅಭಿಂಯ ಪೂರ್ವ ಭಾಗದಲ್ಲಿ ಮಧ್ಯಕಾಲೀನ ಇಜ್ಞಾನಿಕ್ ಶೈಲಿಯ ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ದೇವಾಲಯವಿದೆ. ಪೂರ್ವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ತಪಸ್ಸಿಗೊಳಿಸಿ ಇಲ್ಲಿ ತಪಸ್ಸು ಮಾಡಿದ್ದರಿಂದು ಜನ ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಅವರು ಇಲ್ಲಿ ಆಶ್ರಮ ಕಟ್ಟಿಕೊಂಡು ಅನೇಕರಿಗೆ ವಿದ್ಯ ನೀಡಿದರಂತೆ. ಆ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ಗದ್ಗೋ (ಕಟ್ಟು) ಇದೆ. ಇದು ಈ ಉರಿನ ಗ್ರಾಮ ದೇವತೆಯೊಂದು ಉರಿನ ಸಮಸ್ತ ಹಿಂದೂ ಮುಸ್ಲಿಂರಿಂದ ಪ್ರಾಜೆನಲ್ಪುಡುತ್ತದೆ. ಇಲ್ಲಿ ಹಳಿಂಬಿ ಧರ್ಮಾಗಳ ನಾಮರಸ್ಯವನ್ನು ಕಾಣಬಹುದು.

- (b) हीन्दी से कन्नಡ अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

8

कबीर, सूर, तुलसी, जायसी और मीरा इस युग के महत्वपूर्ण कवि हैं जिन्होंने हिन्दी कविता को व्यापक मानवीय आधार प्रधान किया। विभिन्न स्थानीय बोलियों के शब्दों रुचियों और संवेदनाओं को ग्रहण कर इन कवियों ने अवधी और ब्रज को काव्य भाव के रूप में विकसित किया। इन्होंने स्वान्तः सुखाय को कविता का प्रयोजन माना जो नवजागरण का लक्षण है। इस कारण कविता में लोक जीवन के विविध छंदों, शैलियों और संवेदनों का प्रयोग हुआ जो पहले वर्जित था। सार्वदेशिक समकालीनता, का विकास और अपने समय को परिभाषित करने का जो सजग प्रयत्न जायसी, कबीर और तुलसीदास में है वह अन्यत्र दुर्लभ है। पद्यावत, रामचरितमानस, मीरा की पदावली, कबीर के साखी, सबद, एवं रमैनी, सूरसागर, रहीम के दोहे एवं बरवै, कवितावली, दोहावली, विन्यपत्रिका, मधुमालती आदि इस काल की महत्वपूर्ण कृतियाँ हैं।

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए।

16

- (a) टिप्पणी
 - (b) प्रारूपण
 - (c) प्रेस नोट
 - (d) काव्यानुवाद की समस्या
 - (e) सफल अनुवादक के गुण
-